Chapter 7:

Formation of Company

Part 3

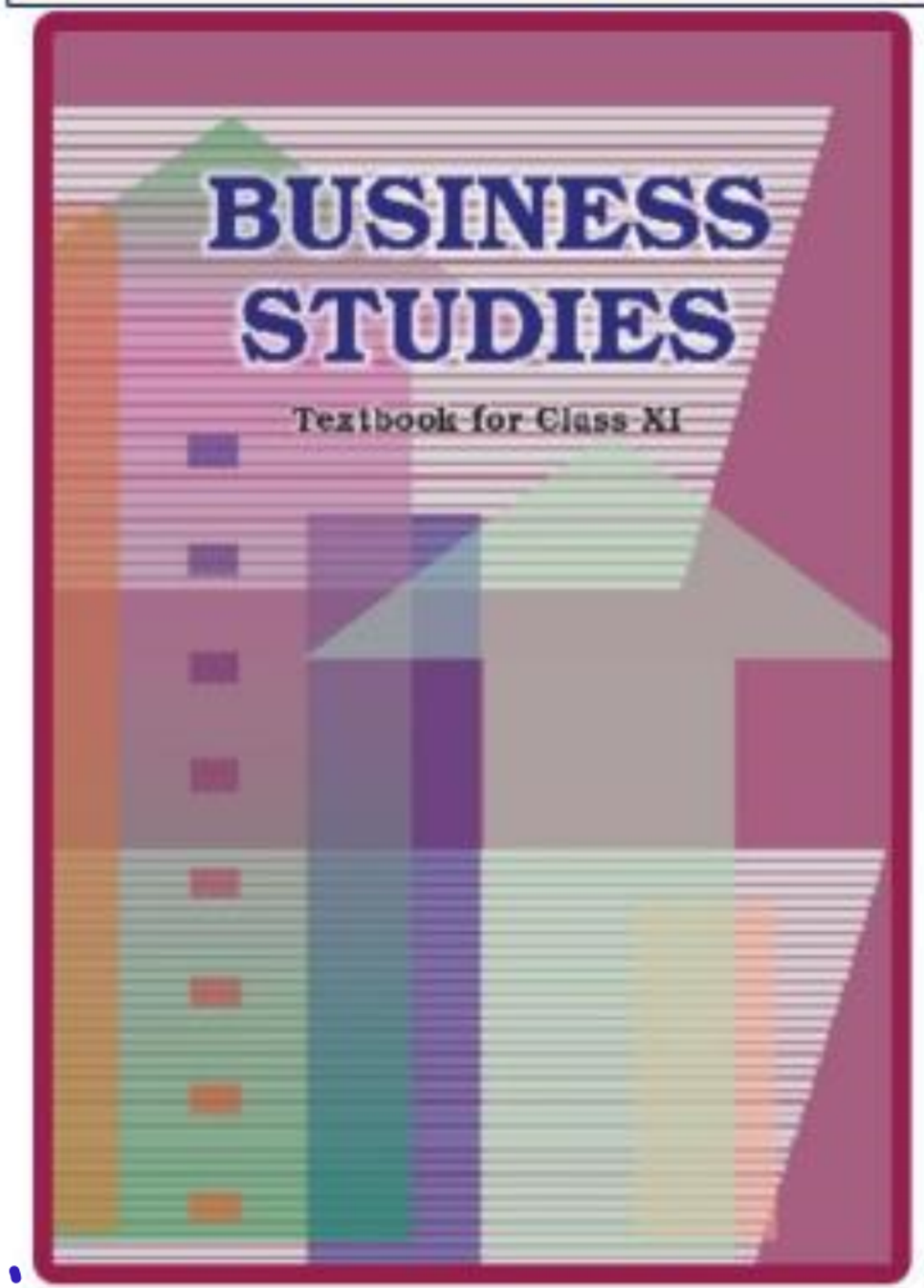

Registrar of Companies allots a CIN (Corporate Identity Number) to the Company with effective from :

1. November 1, 2000
2. November 1, 2013
3. November 1, 1956
4. November 1, 1991

कंपनी रजिस्ट्रार कंपनी को एक CIN (कॉर्पोरेट पहचान संख्या) आवंटित करता है, जो निम्नलिखित तिथि से प्रभावी होती है:

1 नवंबर, 2000
1 नवंबर, 2013
1 नवंबर, 1956
1 नवंबर, 1991

- When the Registrar is satisfied, about the completion of formalities for registration, a Certificate of Incorporation is issued to the company, which signify the birth of the company. The certificate of incorporation may therefore be called the birth certificate of the company. With effect from November 1, 2000, the Registrar of Companies allots a CIN (Corporate Identity Number) to the Company.

- जब रजिस्ट्रार पंजीकरण की औपचारिकताओं के पूरा होने से संतुष्ट हो जाता हैं, तो कंपनी को निगमन प्रमाणपत्र जारी किया जाता है, जो कंपनी के जन्म का प्रतीक होता है। इसलिए, निगमन प्रमाणपत्र को कंपनी का जन्म प्रमाणपत्र कहा जा सकता है। 1 नवंबर, 2000 से, कंपनी रजिस्ट्रार कंपनी को एक CIN (कॉर्पोरेट पहचान संख्या) आवंटित करता हैं।

NCERT-11M

Fixing up Signatories to the Memorandum of Association is performed by:/

1. Directors
2. Members
3. First Directors
4. Promotors

एसोसिएशन के ज्ञापन पर हस्ताक्षरकर्ताओं का निर्धारण निम्नलिखित द्वारा किया जाता है:

1. निदेशक
2. सदस्य
3. प्रथम निदेशक
4. प्रवर्तक

Fixing up Signatories to the Memorandum of Association/एसोसिएशन के ज्ञापन पर हस्ताक्षरकर्ताओं को तय करना

- Promoters have to decide about the members who will be signing the Memorandum of Association of the proposed company. Usually the people signing memorandum are also the first Directors of the Company. Their written consent to act as Directors and to take up the qualification shares in the company is necessary.
- प्रस्तावित कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन पर हस्ताक्षर करने वाले सदस्यों के बारे में प्रमोटरों को निर्णय लेना होता है। आमतौर पर मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति कंपनी के पहले निदेशक भी होते हैं। निदेशक के रूप में कार्य करने और कंपनी में योग्यता शेयर लेने के लिए उनकी लिखित सहमति आवश्यक है।

A company becomes a legal entity with perpetual succession on :

1. the date printed on the Certificate of Incorporation
2. the date attaining the Certificate of Incorporation
3. the date of acceptance of documents in the office of RoC
4. all of the above

एक कंपनी स्थायी उत्तराधिकार के साथ एक कानूनी इकाई बन जाती है:

1. निगमन प्रमाणपत्र पर छपी तिथि
2. निगमन प्रमाणपत्र प्राप्त करने की तिथि
3. कंपनी रजिस्ट्रार के कार्यालय में दस्तावेजो की स्वीकृति की तिथि
4. उपरोक्त सभी

- A company is legally born on the date printed on the Certificate of Incorporation. It becomes a legal entity with perpetual succession on such date. It becomes entitled to enter into valid contracts. The Certificate of Incorporation is a conclusive evidence of the regularity of the incorporation of a company.
- एक कंपनी कानूनी रूप से निगमन प्रमाणपत्र पर छपी तारीख को अस्तित्व में आती है। उस तारीख से वह स्थायी उत्तराधिकार वाली एक कानूनी इकाई बन जाती है। वह वैध अनुबंध करने की हकदार हो जाती है। निगमन प्रमाणपत्र किसी कंपनी के निगमन की नियमितता का निर्णायक प्रमाण होता है।

Every Individual intending to be appointed as director of a company shall make an application for allotment of:

1. PAN
2. DIN
3. CIN
4. GST

किसी कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त होने का इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति निम्नलिखित के आवंटन के लिए आवेदन करेगा:

1. पैन
2. डीआईएन
3. सीआईएन
4. जीएसटी

- Every Individual intending to be appointed as director of a company shall make an application for allotment of Director Identification Number (DIN) to the Central Government in prescribed form along with fees.
- किसी कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त होने का इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति, शुल्क सहित, निर्धारित प्रपत्र में केंद्र सरकार को निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन) आवंटित करने के लिए आवेदन करेगा।

- The Central Government shall allot a Director Identification Number to an application within one month from the receipt of the application. No individual, who has already been allotted a Director Identification Number, shall apply for, obtain or possess another Director Identification Number
- केंद्र सरकार आवेदन प्राप्त होने के एक महीने के भीतर आवेदनकर्ता को निदेशक पहचान संख्या आवंटित करेगी। कोई भी व्यक्ति, जिसे पहले ही निदेशक पहचान संख्या आवंटित की जा चुकी है, किसी अन्य निदेशक पहचान संख्या के लिए आवेदन नहीं करेगा, न ही उसे प्राप्त करेगा और न ही अपने पास रखेगा।

Capital Subscription can be exercised by:

1. Private company
2. Public company
3. Both
4. Shareholders

पूंजी अभिदान का प्रयोग निम्न द्वारा किया जा सकता है:

1. निजी कंपनी
2. सार्वजनिक कंपनी
3. दोनों
4. शेयरधारक

- Capital Subscription A public company can raise the required funds from the public by means of issue of securities (shares and debentures etc.). For doing the same, it has to issue a prospectus which is an invitation to the public to subscribe to the capital of the company and undergo various other formalities.
- पूँजी अभिदान एक सार्वजनिक कंपनी प्रतिभूतियों (शेयर और डिबेंचर आदि) के निर्गम के माध्यम से जनता से आवश्यक धनराशि जुटा सकती है। ऐसा करने के लिए, उसे एक विवरणिका जारी करनी होती है जो जनता को कंपनी की पूँजी में अभिदान करने और अन्य विभिन्न औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए एक आमंत्रण होती है।

The following steps are required for raising funds from the public. Arrange in the right sequence:/-

i. Appointment of Bankers , Brokers, Underwriters
ii. SEBI Approval
iii. Filing of Prospectus
iv. Minimum Subscription → 90%
v. Application to Stock Exchange
vi. Allotment of Shares

1. I,II,IV,III,V,VI
2. I,II,III,VI,V,VI
3. I,II,IV,III,VI,V
4. II,III,I,IV,V,VI

जनता से धन जुटाने के लिए निम्नलिखित चरण आवश्यक हैं। इन्हें सही क्रम में व्यवस्थित करें:/-

I. बैंकरों, दलालों, हामीदारों की नियुक्ति
II. सेबी की मंजूरी
III. प्रॉस्पेक्टस दाखिल करना
IV. न्यूनतम अभिदान
V. स्टॉक एक्सचेंज में आवेदन
VI. शेयरों का आवंटन

I,II,IV,III,V,VI
I,II,III,VI,V,VI
I,II,IV,III,VI,V
II,III,I,IV,V,VI

Step required for raising funds from public:

1 **1. SEBI Approval:** SEBI regulates the capital market of India. A public company is required to take approval from SEBI.

2 **2. Filing of Prospectus:** Prospectus means any documents which invites offers from the public to purchase share and Debenture of the company.

3. Appointment of bankers, brokers, underwriters: Banker of the company receive the application money. Brokers encourage the public to apply for the shares, underwriters are the person who undertake to buy the shares if these are not subscribed by the public. They receive a commission for underwriting.

4. Minimum subscription: According to the SEBI guide lines minimum subscription is 90% of the issue amount. If minimum subscription is not received then the allotment cannot be made and the application money must be returned to the applicants within 30 days.

5. Application to Stock Exchange: It is necessary for a public company to list their shares in the stock exchange therefore the promoters apply in stock exchange to list company shares.

6. Allotment of Shares: Allotment of shares means acceptance of share applied. Allotment letters are issued to the shareholders. The name and address of the shareholders submitted to the Registrar.

Consider the following statement regarding Promotor's position. Which is not true:

1. Promoters are not legally entitled to claim the expenses incurred in the promotion of the company.
2. They can make a profit only if it is disclosed but must not make any secret profits.
3. They are not personally liable for all the contracts which are entered by them, for the company before its incorporation.

A. Only i
B. Only iii
C. Only ii
D. None

प्रमोटर की स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें। जो सत्य नहीं है:

1. प्रमोटर काननी रूप से कंपनी के प्रचार में हुए खर्चों का दावा करने के हकदार नहीं हैं।
2. वे लाभ तभी कमा सकते हैं जब उसका खुलासा किया जाए, लेकिन उन्हें कोई गुप्त लाभ नहीं कमाना चाहिए।
3. वे कंपनी के निगमन से पहले उसके लिए किए गए सभी अनुबंधों के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं हैं।

A. केवल i
B. केवल iii
C. केवल ii
D. कोई नहीं

Commerce MCQ with Sachin Sir

Position of Promoters:

- Promoters undertake various activities to get a company registered and get it to the position of commencement of business. But they are neither the agents nor the trustees of the company. They can't be the agents as the company is yet to be incorporated. Therefore, they are personally liable for all the contracts which are entered by them, for the company before its incorporation, in case the same are not ratified by the company later on. Also promoters are not the trustees of the company. Quiz → (Foundationclasses.live)

- प्रवर्तक किसी कंपनी को पंजीकृत कराने और उसे व्यवसाय शुरू करने की स्थिति तक पहुँचाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ करते हैं। लेकिन वे न तो कंपनी के एजेंट होते हैं और न ही ट्रस्टी। वे एजेंट नहीं हो सकते क्योंकि कंपनी अभी निगमित नहीं हुई है। इसलिए, कंपनी के निगमन से पहले उनके द्वारा किए गए सभी अनुबंधों के लिए वे व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होते हैं, यदि बाद में कंपनी द्वारा उनका अनुमोदन नहीं किया जाता है। इसके अलावा, प्रवर्तक कंपनी के ट्रस्टी भी नहीं होते हैं।

- Promoters of a company enjoy a fiduciary position with the company, which they must not misuse. They can make a profit only if it is disclosed but must not make any secret profits. In the event of a non-disclosure, the company can rescind the contract and recover the purchase price paid to the promoters. It can also claim damages for the loss suffered due to the nondisclosure of material information.

- किसी कंपनी के प्रवर्तकों को कंपनी के साथ एक प्रत्ययी स्थिति प्राप्त होती है, जिसका उन्हें दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। वे लाभ तभी कमा सकते हैं जब उसका खुलासा किया जाए, लेकिन उन्हें कोई गुप्त लाभ नहीं कमाना चाहिए। खुलासा न करने की स्थिति में, कंपनी अनुबंध को रदद कर सकती है और प्रवर्तकों को भुगतान की गई खरीद मूल्य की वसूली कर सकती है। वह महत्वपूर्ण जानकारी के खुलासा न करने के कारण हुए नुकसान के लिए हर्जाना भी मांग सकती है।

- Promoters are not legally entitled to claim the expenses incurred in the promotion of the company. However, the company may choose to reimburse them for the pre-incorporation expenses. The company may also remunerate the promoters for their efforts by paying a lump sum amount or a commission on the purchase price of property purchased through them or on the shares sold. The company may also allot them shares or debentures or give them an option to purchase the securities at a future date.
- प्रमोटर कानूनी तौर पर कंपनी के प्रचार में हुए खर्च का दावा करने के हकदार नहीं हैं। हालाँकि, कंपनी उन्हें निगमन-पूर्व खर्चों की प्रतिपूर्ति करने का विकल्प चुन सकती है। कंपनी प्रमोटरों को उनके प्रयासों के लिए एकमुश्त राशि या उनके माध्यम से खरीदी गई संपत्ति या बेचे गए शेयरों के क्रय मूल्य पर कमीशन देकर भी पुरस्कृत कर सकती है। कंपनी उन्हें शेयर या डिबेंचर भी आवंटित कर सकती है या उन्हें भविष्य में प्रतिभूतियाँ खरीदने का विकल्प दे सकती है।